

DPN 7012

मन्त्रानुसारणी MANTRANUSĀRANĪ

Title :

Run. No. 7737

Cat. No.

Micro. No.

Subject स्तोत्र मयम्

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 7.2 x 21.0

Folios 4

Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

Beg. ॐ नमो श्री वज्रयोगिनि बुद्ध शक्ति न्ये ॥

P. T. O.

इहा गुरु नम (स्तु) भ्यं तप्तकाञ्चन संनिभं
सर्वसत्त्व हितार्थाय विद्याराशिं नमोस्तुते ॥

८७. इत्यभिमत फल सिद्धि दायिनी वज्रयोगिन्या पार्ष्णी श्रीमत्
मन्त्रानुसारणी समाप्त ॥

रुतमग्रावजयागिति दृष्टुं किं नृपि कृत्वा नृपतमयं न क फ फा
चैत सति र्॥ सद्यः सत्तादितो यो विद्या न कृत मा कृत नृपतमयं न क फ फा
वना नृप क यद्यपि दत्त क नृप स सद्यः सत्तादितो यो विद्या न कृत मा कृत नृपतमयं न क फ फा
रुतमग्रावजयागिति दृष्टुं किं नृपि कृत्वा नृपतमयं न क फ फा
रुतमग्रावजयागिति दृष्टुं किं नृपि कृत्वा नृपतमयं न क फ फा

दह२ सर्वपापं सर्वसत्त्वानां सर्वयष्टुर्नामासद्धदा।
 निक्षीपेत्तु दह२ कृत्वा विहीमरुमदु॥ छीद
 रुमुहील सरुमुवाहव, सरु सरुसाधत दानिग
 पिहल, आचत वज्जति वज्जति मिति शतमिली, न
 त्वं त्वं धं धं धं २ मृत् २ अद्भुत मरुयाणि नियोसिद्ध ॥ ३

कर्मकनीतगुणमति, मरुयाणि गमासामति, को धनि कना विही गमासामति
 स्य रुदति यत्राजय विजय, उमरुति मरुति मरुति, वज्जति वज्जति, वज्जति
 का मरुलीपण ॥ तद्वा ॥ धागदु, रुत २ याता नूकि निरस्थिति २ धन
 मरु ॥ हसय २ यदाह कयालया निही, मरुयाणि गमासामति
 पादुत, साति धं मत्त नसि नमात्राणि गमासामति, स्रम

